Patrika (Indore), 31st December 2016, Page - 02

स्वाहा और छोटा अस्पताल के अलावा आईआईटी के पास कोई रिकॉर्ड नहीं...

स्टार्टअप्स के मामले में पिछड़ गए आईआईटी और आईआईएम

पिछले साल आईआईएम से सिर्फ तीन छात्रों ने चुनी एंटरप्रेन्योरशिप

अभिषेक वर्मा
patrika.com

इंदौर. यंगस्टर्स को अपने पैरों पर खड़े करने के साथ एम्प्लॉयमेंट जनरेट करने के लिए शुरू हुए स्टार्टअप इंडिया प्रोजेक्ट में आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थानों की भूमिका नजर नहीं आ रही है। टॉप इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट्स अब तक कैंपस प्लेसमेंट को ही प्रायोरिटी दे रहे हैं। आईआईटी इंदौर से अब तक सिर्फ दो स्टार्टअप शुरू हो पाए हैं, वहीं आईआईएम इंदौर से बीते साल तीन ने एंटरप्रेन्योरशिप की राह चुनी है। जनवरी 2016 में सरकार ने स्टार्टअप इंडिया लॉन्च किया। जून तक डिपार्टमेंट ऑफ इंडस्ट्रियल प्लानिंग एंड प्रमोशन को करीब 200 स्टार्टअप से एप्लीकेशंस मिली। फर्स्ट स्क्रूटनी में एकमात्र हैदराबाद की कंपनी को स्टार्टअप स्कीम पर फायदा मिल पाया। उम्मीद जताई जा रही थी कि स्टार्टअप्स में आईआईटीज और आईआईएम्स जैसे इंस्टीट्यूट का रोल इंपोर्टेंट रहेगा।

लेकिन स्टूडेंट्स अब भी कैंपस प्लेसमेंट में शामिल होकर जॉब सिक्योरिटी चाह रहे हैं। इंदौर से ही सालभर में दोनों इंस्टीट्यूट से सिर्फ पांच स्टार्टअप रजिस्टर्ड हुए। आईआईटी इंदौर से ई-वेस्ट मैनेजमेंट के लिए 'स्वाहा' और मेडिकल फैसिलिटी के लिए 'छोटा अस्पताल' स्टार्टअप शुरू हुए। आईआईएम से जीरो वन आईएनसी, सचानी डेवलपर्स और बेंगलुरु ट्रांस कम्युनिटी ही शुरू हो पाए। स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए इन इंस्टीट्यूट्स में अब इन्क्यूबेशन सेंटर शुरू करने की तैयारी है।

देशभर में बिगड़े हालात

2015 की तुलना में 2016 में देशभर में कम स्टार्टअप लॉन्च हो पाए। एक्सपर्ट्स के अनुसार 2016 के आंकड़े पिछले तीन साल में सबसे कम हैं। 2015 में करीब 9500 स्टार्टअप को दम मिला था। इस साल स्टार्टअप की संख्या करीब 3100 ही रही। स्टार्टअप घटने से अनुदान का आंकड़ा करीब 50 हजार करोड़ रुपए से घटकर 50 फीसदी तक रह गया है।

3 साल में तोड़ा दम

नेशनल एंटरप्रेन्योरशिप नेटवर्क के प्रो. अतुल एन.भरत ने बताया, '60 परसेंट से ज्यादा स्टार्टअप 3 महीने से 3 साल के भीतर दम तोड़ देते हैं। 2013 से यंग जनरेशन स्टार्टअप को लाइफस्टाइल के तौर पर देखने लगी। बायोडाटा में क्रेडिट और एंटरप्रेन्योर कहलाने के लिए स्टार्टअप फैशन बन गया है। इसके लिए प्लानिंग, स्ट्रेटजी, मार्केट रिसर्च, फंडिंग, मेंटरिंग और बहुत ज्यादा मेहनत जरूरी है।

जेईई आवेदन की तिथि बढ़ी

नई दिल्ली. जेईई (मेन्स) 2017 के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की तिथि 16 जनवरी तक बढ़ा दी गई है। अभ्यर्थियों को शुल्क का भुगतान 17 जनवरी दोपहर 11:59 बजे तक कर सकते हैं। अधिक जानकारी वेबसाइट पर देखें।

डॉक्टर टैग के लिए एक और परीक्षा

मुंबई. मेडिकल छात्रों को डॉक्टर का टैग प्राप्त करने के लिए अब नेशनल एग्जिट टेस्ट (नेक्स्ट) भी पास करना होगा। यह इसलिए आरंभ किया जा रहा है जिससे देश में मेडिकल शिक्षा का एक स्तर कायम किया जा सके। ये तीन स्तर पर मान्य होगा।